

## **2<sup>nd</sup> NATIONAL CONFERENCE ON DEVELOPMENT OF DIGITAL LIBRARIES IN IPR REGIME (DDLIR-2019) (21-22 December 2019)**

Madhu Limaye Library of Dr. Ram Manohar Lohiya National Law University, Lucknow organized two days 2<sup>nd</sup> National Conference on Development of Digital Libraries in IPR Regime on December 21-22, 2019.

In his welcome address, Prof. Subir K Bhatnagar, Vice-Chancellor, Dr. Ram Manohar Lohiya National Law University, Lucknow welcomed the guests and highlighted issues related to the digital library and copyright.

The Conference was inaugurated by the Chief Guest Dr. Dinesh Sharma, Hon'ble Deputy Chief Minister, Govt. of Uttar Pradesh. He said that libraries are the heart of any institution. He elaborated the initiatives such as Shodhganga, NDL, e-PGPathshala etc taken by the government in making available digital content to the academic and research organizations.



Special Guest Dr. Vinay Pathak, Vice-Chancellor, Dr. APJ Abdul Kalam Technical University, Lucknow

mentioned that the tech-nationalism of China is one of the examples to move ahead in a technology-driven society. He emphasized the role of AI technology in the libraries. He also advocated consortium based acquisition of e-resources for cutting down the cost.

The conference compendium consisting of full papers was released by the guests.



Keynote speaker Prof N Laxman Rao, Emeritus Professor of Library & Information Science, Osmania University, Hyderabad talked about the Open Access movement and Hathi Trust. He briefly explained the role of creative



commons and copyright issues with reference to open access, commercial and free resources. He also requested that the awareness of copyright is very much required in digital environments.

The resource persons from NLU, IITs, IIMs and other universities discussed future of law librarianship in India, emerging technologies for libraries and digital rights management and access rights management. They were convinced that awareness of copyright laws in digital environment is very much required and it should be taken care of seriously. It will help to reduce the copyright infringement related cases. Plagiarism, research ethics and open access should be taken care of as per copyright and IPR environment. The LIS associations of India should come under one umbrella and work for the welfare of the society.



In his closing address, the organizing secretary, Dr. Maneesh Kumar Bajpai said the Conference would help in developing the digital libraries as per the copyright laws in India. It increased knowledge and awareness on the Indian Copyright Act, Fair Use, Open Access, IPR Issues, Creative Commons and Plagiarism, etc. The Conference was attended by over 300 delegates from all over the country. The participants were from prominent institutions and organizations of India which

includes LIS professionals, teachers & students, Law teachers, students & professionals and information technology professionals.

6 दैनिक जागरण लखनऊ, 22 दिसंबर 2019 [www.jagran.com](http://www.jagran.com) **कैंपस जागरण**

**डेवलपमेंट ऑफ डिजिटल लाइब्रेरी इन आइपीआर रीजीम पर दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन शैक्षिक संस्थान का दिल होती है लाइब्रेरी : डिप्टी सीएम**

**डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विधि**

जासं, लखनऊ : पुस्तकालय शैक्षिक संस्थान का हृदय होता है। पुस्तकालय से ही संवोधित शैक्षिक संस्थान के स्तर का पता चलता है। बदलते समय के साथ इसका स्वरूप भले ही बदल गया हो। लेकिन आज भी पुस्तकालय ज्ञान का संग्रहाण है। यह कहना या उपमूर्खमंत्रों डॉ. दिनेश शर्मा का।

शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में डेवलपमेंट ऑफ डिजिटल लाइब्रेरी इन आइपीआर रीजीम पर दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आयोजित हुई। इस दौरान विभिन्न अतिथि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने चीन के टैको नेशनलिसम और पुस्तकालयों में

डिजिटल लाइब्रेरी की दी जानकारी मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय हेनरबल प्रो. एन लक्ष्मण राव ने हाइब्रिट, पनडिप, और यूजीसी द्वारा ऑपेन एक्सेस के माध्यम से प्रदान की जा रही डिजिटल लाइब्रेरी की सेवाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऑपेन एक्सेस के माध्यम में प्रयोग होने वाले कंटेंट के संबंध में कॉपीराइट की अपनी अलग चुनौतियाँ हैं। कॉपीराइट की बाधिकाओं को समझना और इस विषय पर सबको जानकारी होना चाहिए। विधि के कुलपति प्रो. सुधीर के भट्टानगर, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनीष बाजपैई, डॉ. पीके गौतम, कुलसचिव मनोज कुमार, एके तिवारी, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. केए पांडेय, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. अलका सिंह और संयोजक दिशाकर समेत बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

भविष्य में समस्या होगी। हमें हमेशा बदलते समय के साथ बदलते रहना चाहिए, क्योंकि अब ई-बुक आ रही है। अब हम किताबें नहीं भी किताबी भी समय पढ़ सकते हैं। और हमें अब किताब लेने को कोई आवश्यकता नहीं है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विधि में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विनोदन करते डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा (मध्य में), एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक (दाएं से दूसरे) • कब्रदार

आर्टोमीशियल इंटेलीजेंस के हो रहे प्रयोगों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी के स्वरूप में तेजी से बदलाव हुआ है। हमें खुद को भी उसी अनुसार अपडेट करना होगा। क्योंकि अगर हम खुद को अपडेट नहीं करते तो हम

रविवार, 22 दिसंबर 2019 02

**हिन्दुस्तान**

**संस्थान का दिल होते हैं पुस्तकालय**

लखनऊ कार्यालय संवाददाता

पुस्तकालय किसी भी संस्थान का दिल व धमनियां होते हैं। डिजिटल दुनिया में पुस्तकालय तेजी से बदल रहे हैं। हर जानकारी छात्रों को एक क्लिक पर मिल रही है।

वे विचार शनिवार को राम मनोहर लोहिया विधि विधि के मधु लिमसे लाइब्रेरी की ओर से आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में हर सूचना चौबीस घंटे उपलब्ध की जा सकती है लेकिन डिजिटल सूचना का सही प्रयोग करने के लिए कॉपीराइट कानून को जानकारी जरूर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार शोध गंगा व पनडिपल के जॉर शैक्षिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विशिट अतिथि एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि पुस्तकालयों में आर्टोमीशियल इंटेलीजेंस के जॉर बेहतरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। मुख्य वक्ता प्रो. एन. लक्ष्मण राव ने कहा कि ऑपेन एक्सेस के माध्यम में प्रयोग होने वाले कंटेंट के संबंध में कॉपीराइट की अलग चुनौतियां हैं। कॉपीराइट की बाधिकाओं को समझना चाहिए। उनके बारे में लगातार अपडेट रहना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. मनीष बाजपैई, कुलसचिव मनोज कुमार, डॉ. एके तिवारी, डॉ. वंदना सिंह, संजय दिवाकर ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

राम मनोहर लोहिया विधि विधि के मधु लिमसे लाइब्रेरी की ओर से आयोजित संगोष्ठी में शनिवार को उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को सम्मानित किया गया।